नई सोच नई उड़ान के थीम के साथ
दीव में धुम-धाम से मनाया गया बाल दिवस

दीव दिनांक :- 14 नवम्बर प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर आज दीव में धुम-धाम से बाल दिवस मनाया गया । बाल संरक्षण ईकाई, दीव द्वारा बाल दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए । इस अवसर पर मलाला ऑडिटोरियम को बाल संरक्षण ईकाई द्वारा भव्य तरीके से और जवाहर लाल नेहरू के विचारों तथा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ तथा बाल अधिकारों से संबंधित स्लोगन से ऑडिटोरियम को सजाया गया था।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीव समाहर्ता, श्रीमती सलोनी राय, दीव नगरपालिका प्रमुख श्री हितेश सोलंकी, जिला पंचायत की उप प्रमुख अश्विनी बी सोलंकी, पुलिस अधीक्षक श्री हरेश्वर स्वामी, उप समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वैभव रिखारी ने संयुक्त रूप से दीव प्रज्जवलित कर किया ।

इसके बाद दीव महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संगीत की प्रस्तुति दी और अपने गीत से लोगों और छात्र-छात्राओं से खचा-खच भरे ऑडिटोरियम को झुमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद वात्सल्य संस्था के बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया । इस अवसर पर दीव महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के विषय पर एक नाटक प्रस्तुत किया जो सभी को काफी प्रभावित किया। बाल भवन बोर्ड दीव के बच्चियों ने पंजाबी गीत पर भांगड़ा नृत्य से सबको झुमाया तो वहीं शिक्षिकाओं द्वारा शिक्षा और शिक्षक के बीच के संबंधों को दर्शाते हुए गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर वाह वाही बटोरी। इस प्रकार इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान रंगा-रंग गीत संगीत और नृत्य की प्रस्तुती हुई ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाल संरक्षण ईकाई द्वारा बाल दिवस के अवसर पर दीव जिला के विद्यलयों मे कई प्रतियागितायें आयोजित की गई थी जिसमें विजेता प्रतियोगियों को समाहर्ता एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों से पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ऑडिटोरियाम में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर माननीय समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने अपना विचार व्यक्त करते हुए सभी को सर्वप्रथम बाल दिवस की शुभकामानाएं दी तथा कहा कि आज का दिन विशेष तौर पर बच्चों के लिए खास है। आज के बच्चे कल के भारत के भविष्य हैं। बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना सभी माता पिता का कर्तव्य है । बच्चे अपने अधिकारों को समझे । शिक्षा प्राप्त करना उनका अधिकार है। चाहे लड़का हो या लड़की सबको शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है और उन्हें समान अवसर मिलना चाहिए । उनमें भेदभाव करना सबसे बड़ी सामाजिक बुराई है। बच्चों के विचारों और उनकी सोच को बिना दबाए उसे विकसित होने देना चाहिए, तभी आज के परिप्रेक्ष्य में नई सोच और नई उड़ान की उक्ति चरितार्थ होगी। इस अवसर पर उन्होंने भव्य तरीके से कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बाल संरक्षण ईकाई की अधिकारी सुश्री मैत्रेयी भट्ट और उनकी टीम की सराहना की।

कार्यक्रम की विशेषता यह भी रही कि पूरे कार्यक्रम का संचालन सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दीव की छात्रा बारिया रूपाली प्रवीणभाई और हिंगु दीपिका नरेशभाई ने सफलता पूर्वक किया जिसें सभी ने काफी सराहा।